भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3499
(जिसका उत्तर सोमवार, दिनांक 10 अगस्त, 2026/19 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाना है)

राजकोषीय प्रबंधन और बढ़ता सार्वजनिक ऋण

3499. श्री हनुमान बेनीवाल:
एडवोकेट चन्द्र शेखर:
श्री राजकुमार रोत:

क्या ***वित्त*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विभिन्न अर्थशास्त्रियों और संस्थाओं ने बढ़ते सार्वजनिक ऋण, राजकोषीय घाटे, मुद्रास्फीति, बेरोजगारी, कम खपत और पूंजीगत व्यय और राजस्व व्यय के बीच असंतुलन को देखते हुए देश के राजकोषीय प्रबंधन के संबंध में गंभीर चिंता व्यक्त की है;
(ख) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;
(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान केन्द्र सरकार का कुल सार्वजनिक ऋण, राजकोषीय घाटा, ब्याज भुगतान पर किया गया व्यय और कुल कर राजस्व का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुपात में इनमें से प्रत्येक का प्रतिशत कितना है;
(घ) क्या पिछले पांच वर्षों के दौरान घोषित कुछ प्रमुख योजनाओं को अपर्याप्त बजटीय प्रावधान अथवा वित्तीय संसाधनों की कमी के कारण निर्धारित समय के भीतर पूरा नहीं किया जा सका है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी योजना-वार ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>
वित्त राज्य मंत्री
(श्री पंकज चौधरी)

(क) एवं (ख) सरकार सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हुए राजकोषीय विवेक को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा वर्ष 2020-21 में सकल घरेलू उत्पाद के 9.2 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025-26 (अंनतिम वास्तविक) में 4.4 प्रतिशत हो गया है, जबकि केंद्र सरकार की कुल बकाया देनदारियां वर्ष 2020-21 में सकल घरेलू उत्पाद के 61.5 प्रतिशत से घटकर 2025-26 (अनंतिम) में 58.2 प्रतिशत हो गई हैं, जो राजकोषीय स्थिरता में निरंतर सुधार को दर्शाती है। साथ ही, वर्ष 2020-21 में पूंजीगत व्यय ₹4.3 लाख करोड़ से बढ़कर वर्ष 2025-26 (अनंतिम वास्तविक) में ₹10.7 लाख करोड़ हो गया है।
वर्ष 2024-25 में वास्तविक निजी अंतिम उपभोग व्यय वृद्धि 5.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 7.7 प्रतिशत होने के साथ घरेलू मांग भी स्थिर बनी हुई है। साथ ही, मूल्य स्थिरता बेहतर हुई है, 2025-26 में खुदरा मुद्रास्फीति औसतन 2.1 प्रतिशत है, जो 2014-15 के बाद से सबसे निम्नतम स्तर है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार, श्रम बाजार की स्थितियों में भी सुधार हुआ है और बेरोजगारी दर (15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्ति और सामान्य स्थिति के अनुसार) वर्ष 2017-18 में 6.0 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में 3.1 प्रतिशत हो गई है।

(ग) पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान केन्द्र सरकार के सार्वजनिक ऋण, राजकोषीय घाटे, ब्याज भुगतान और सकल कर राजस्व का वर्ष-वार ब्यौरा तथा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुपात के रूप में ब्यौरा निम्नानुसार है -

वित्तीय वर्ष	सार्वजनिक ऋण	राजकोषीय घाटा	ब्याज भुगतान	सकल कर राजस्व
(₹ लाख करोड़ में)				
2021-22	119.02	15.85	8.05	27.09
2022-23	135.67	17.38	9.29	30.54
2023-24	152.64	16.55	10.64	34.66
2024-25	165.58	15.74	11.16	37.96
2025-26 (अनंतिम)	180.34	15.19	12.43	40.24
(सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में)				
2021-22	50.4	6.7	3.4	11.5
2022-23	51.9	6.7	3.6	11.7
2023-24	52.7	5.7	3.7	12.0
2024-25	52.1	4.9	3.5	11.9
2025-26 (अनंतिम)	52.1	4.4	3.6	11.6

नोट: वित्त वर्ष 2022-23 के बाद से सकल घरेलू उत्पाद नई श्रृंखला (आधार वर्ष 2022-23) पर आधारित है। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए, सकल घरेलू उत्पाद की पुरानी श्रृंखला (आधार वर्ष 2011-12) का प्रयोग प्रतिशत का आकलन करने के लिए किया जाता है।

(घ) एवं (ङ) योजनाओं के लिए बजटीय आबंटन कार्यान्वयन मंत्रालय/विभाग के परामर्श के आधार पर किया जाता है।

****